विद्या भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

(एन.सी.इ.आर.टी पर आधारित)

कक्षा-5

विषय-संस्कृत तिथि-09/07/2020

सुप्रभात बच्चों

आज संस्कृत व्याकरण में सप्तम् पाठ 'संख्या'के शेष भागों को समझेंगे।

सप्तम् पाठः

संख्या

इस पाठ में आप लोगों को संख्या को संस्कृत में किस तरह लिखा जाता है यह बताया जा चुका है जिसमें एक से चार तक अलग-अलग लिंगों में अलग तरीके से लिखा जाता है। लेकिन पांच के बाद जितनी भी संख्याएं होती है उनमें उनका प्रयोग सभी लिंगों में समान ही होता है। एक से दस तक संस्कृत में संख्या शब्द लिखने की जानकारी दी जा चुकी है और अब ग्यारह से बीस तक संस्कृत में संख्या शब्द नीचे दिया गया है:-

1.एकादश = ग्यारह

2. द्वादश = बारह

3. त्रयोदश= तेरह

4. चतुर्दश = चौदह

5. पंचदश = पंद्रह

6. षोडश =सोलह

7. सप्तदश= सत्रह

8. अष्टादश= अठारह

9. नवदश= उन्नीस

10.विंशंति = बीस

<u>अलग-अलग लिंगो में संख्या का प्रयोग:-</u>

<u>पुल्लिंग</u>	**<u>स्त्रीलिंग</u>**	**<u>नपुंसकलिंग</u>**
एकादश बालकाः	**एकादश बालिकाः**	**एकादश फलानि**
(ग्यारह लड़के)	(ग्यारह लड़कियां)	(ग्यारह फल)
द्वादश गजा:	**द्वादश कोकिला:**	**द्वादश कन्दुकानि**
(बारह हाथियां)	(बारह कोयल)	(बारह गेंद)

त्रयोदश बालकाः	**त्रयोदश बालिकाः**	**त्रयोदश फलानि**
(तेरह लड़के)	(तेरह लड़कियां)	(तेरह फल)
चतुर्दश गजा:	**चतुर्दश कोकिला:**	**चतुर्दश कन्दुकानि**

(चौदह हाथियां) (चौदह कोयल) (चौदह गेंद)

पञ्चदश मृगाः पञ्चदश कलिकाः पञ्चदश पुष्पाणि

(पंद्रह हिरण) (पंद्रह कलियां) (पंद्रह फूल)

आगे की संख्या में भी इसी तरह सभी लिंगों में प्रयोग किया जाएगा।

<u>गृहकार्य</u>:-

पेज नंबर-64 और 65 बनाए।

S.T-Sumita Kumari